

यूपी की 20036 बैंक ब्रांचों में हड़ताल, प्रदेश में 30000 करोड़ का लेन-देन हुआ प्रभावित

संवाददाता

लखनऊ। पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था और भेदभाव रहित परफार्मेंस लिंकड इंसेंटिव (पीएलआइ) योजना लागू करने की मांगों को लेकर शुक्रवार को प्रदेश की 20,0३6 बैंक शाखाओं में हड़ताल किया गया। पूरे दिन बैंकों में ताला लगा रहा। बैंक पदाधिकारियों के अनुसार राज्य में लगभग तीस हजार करोड़ रुपये का लेन-देन प्रभावित हुआ। बड़ी संख्या में बैंक ग्राहकों को परेशानी हुई। हजरतगंज की मुख्य शाखा में चेक लगाने पहुंचे लालबाग के ग्राहक शिवेंद्र प्रताप ने बताया कि बैंक में ताला लगा होने के कारण लौटना पड़ा। शक्तिनगर की बैंक आफ बड़ौदा शाखा में नकदी जमा करने गईं प्रीति शर्मा को भी निराश लौटना पड़ा। ऐसा केवल लखनऊ में नहीं हुआ, प्रदेश के सभी जिलों में बैंक ग्राहक पूरे दिन परेशान रहे।



यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर आयोजित इस राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के समर्थन में कर्मचारियों ने सरकार और बैंक प्रबंधन के खिलाफ आवाज बुलंद की। हजरतगंज स्थित इंडियन बैंक परिसर में सभा कर

अपनी मांगों को नारेबाजी की। विभिन्न संगठनों के नेता वाईके अरोड़ा, दिनेश कुमार सिंह, एस.के. संगतानी ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में कर्मचारियों को बेहतर कार्य परिस्थितियां और समान सुविधाएं मिलनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने पांच दिन का

बैंकिंग सप्ताह लागू करने की मांग को प्रमुखता से उठाया। यूनियन नेताओं ने कहा कि बैंक कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन अवकाश मिलने से कार्य-जीवन संतुलन बेहतर होगा और कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ेगी। सचिन केशरवानी ने कहा कि सभी पात्र बैंक कर्मचारियों को समान अवसर और पारदर्शी व्यवस्था के तहत इसका लाभ मिलना चाहिए। अशोक अग्रवाल ने कहा कि कर्मचारियों की लंबित मांगों पर सरकार और बैंक प्रबंधन को सकारात्मक रुख अपनाते हुए जल्द निर्णय लेना चाहिए। यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो 28, 29 व 30 सितंबर व अक्टूबर में अनिश्चितकालीन देशव्यापी बैंक हड़ताल की जाएगी।

अवैध शराब के खिलाफ अभियान, 3152 छापों में 8418 लीटर शराब बरामद

लखनऊ 11 सितंबर।अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए योगी सरकार के निर्देश पर प्रदेश में विशेष प्रवर्तन अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आबकारी विभाग की टीमों ने प्रदेशभर में व्यापक कार्रवाई करते हुए 3152 स्थानों पर छापे मारे। इस दौरान 373 अभियोग पंजीकृत किए गए, जबकि कार्रवाई में 77 लोगों को गिरफ्तार किया गया। टीमों ने 8418 लीटर अवैध शराब बरामद की।आबकारी विभाग की यह कार्रवाई अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ सरकार की सख्त नीति का हिस्सा है। अभियान का उद्देश्य अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने के साथ ही राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण करना है। विभागीय टीमें संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए लगातार प्रवर्तन कार्रवाई कर रही हैं।आबकारी आयुक्त डॉ आदर्श सिंह ने बताया कि विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। विभाग का फोकस केवल शराब की बरामदगी तक सीमित नहीं है, बल्कि अवैध निर्माण, भंडारण, बिक्री और तस्करी की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखते हुए इनके नेटवर्क को रोकना है।

संजय सिंह बोले– कैबिनेट मंत्री ही न्याय के लिए धरने पर बैठे, आम जनता की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा?

संवाददाता

लखनऊ । आप सांसद संजय सिंह ने गोंडा व्यापारी विनोद साहनी की हत्या को लेकर प्रदेश सरकार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब कैबिनेट मंत्री को न्याय के लिए धरने पर बैठना पड़े, तो आम जनता की सुरक्षा चिंता का विषय है। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी और लापरवाह पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गोंडा के व्यापारी विनोद कुमार साहनी की हत्या को लेकर प्रदेश सरकार और कानून-व्यवस्था पर निशाना साधा है। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर जारी बयान में उन्होंने कहा कि जब प्रदेश सरकार में शामिल कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद को ही अपनी ही पुलिस के रवैये के खिलाफ न्याय की मांग को लेकर केजीएमयू के पोस्टमार्टम हाउस के बाहर धरने पर बैठना पड़े, तो आम जनता की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा।

संजय सिंह ने कहा कि गोंडा के परसपुर थाना क्षेत्र में बर्तन व्यापारी



और निषाद पार्टी कार्यकर्ता विनोद कुमार साहनी की हत्या कर दी गई। गंभीर रूप से घायल व्यापारी की लखनऊ के केजीएमयू में इलाज के दौरान मौत हुई। उन्होंने कहा कि मृतक को न्याय दिलाने के लिए प्रदेश के कैबिनेट मंत्री को सड़क पर धरने पर बैठना पड़ रहा है। आप सांसद ने सवाल उठाया कि जब सत्ता में शामिल लोग ही अपनी सरकार के पुलिस-प्रशासन से न्याय की मांग कर रहे हैं, तो थाने और चौकियों के चक्कर काट रहे आम नागरिकों की स्थिति क्या होगी। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि मामले में स्थानीय पुलिस

प्रशासन ने आरोपियों को खुली छूट दी। उनके मुताबिक, मृतक के परिजनों ने परसपुर के थानाध्यक्ष और चौकी प्रभारी पर लापरवाही बताने तथा आरोपियों के खिलाफ समय पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि जब सत्ता के सहयोगी दल के नेता को ही लापरवाह पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने, उन्हें निर्लंबित करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठना पड़ रहा है, तो यह सरकार के कानून-व्यवस्था के दावों पर सवाल खड़े करता है।

वीबी-जी राम जी योजना का किया जाय प्रभावी क्रियान्वयन– केशव

संवाददाता

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकसित भारत-जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनपदों में अभियान चलाकर मानव दिवस सृजन में बढ़ोतरी के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने योजना अंतर्गत कार्य करने वाले श्रमिकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर भुगतान के निर्देश दिए हैं।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत-जी राम जी योजना के अंतर्गत 318 प्रकार के कार्य निर्धारित किए गए हैं। इनमें आजीविका से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य भी शामिल हैं। ऐसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए, जिससे योजना अपने उद्देश्यों को प्राप्त करते हुए विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित जनपद और विकसित ग्राम पंचायत के संकल्प को साकार करने में प्रभावी भूमिका निभा सके। खंड विकास अधिकारी योजना के कार्यों की नियमित समीक्षा करें। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण मे प्रदेश को 6.18 लाख आवासों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। सभी जनपद इन आवासों को

समयबद्ध ढंग से स्वीकृत करते हुए निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत बेसहारा पात्र महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा अन्य प्राथमिकता श्रेणी के पात्र परिवारों, जिन्हें अभी तक योजना का लाभ नहीं मिला है, उन्हें विशेष अभियान चलाकर चिन्हित किया जाए और पात्रता के अनुसार योजना का लाभ दिलाया जाए। विकसित भारत-जी राम जी योजना की महिला श्रमिकों तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लाभार्थियों को अनिवार्य रूप से स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाए, ताकि उन्हें आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराते हुए आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। जिन स्वयं सहायता समूहों को अभी तक सीसीएल अथवा बैंक क्रेडिट की सुविधा नहीं मिली है, ऐसे सभी पात्र समूहों को शत-प्रतिशत सीसीएल उपलब्ध कराया जाए। खंड विकास अधिकारी इसकी नियमित निगरानी करें। प्रदेश में नए स्वयं सहायता समूहों के गठन के कार्य में भी तेजी लाई जाए। समूह सरियों के मानदेय में वृद्धि के लिए अन्य राज्यों में लागू बेहतर मॉडलों का अध्ययन कर अपेक्षित कार्रवाई की जाए।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार के लिए प्रचार वाहन रवाना

लखनऊ 11 सितम्बर।डीजेलखनऊ मलखान सिंह द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा भेजी गई प्रचार वाहन एवं पीआरवी वैन को न्यायालय ग्रांगण से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 12 सितम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय लखनऊ, पारिवारिक न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, भूमि अर्जन पुनर्वासन प्राधिकरण, उपभोक्ता विवाद प्रतिरोध आयोग, स्थायी लोक अदालत, श्रम न्यायालय, वाणिज्यिक न्यायालय, कलेक्ट्रेट एवं जनपद की समस्त तहसीलों में किया जाएगा।सचिव कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि आम जनमानस में व्यापक प्रचार के लिए आज प्रातः 10 बजे जनपद न्यायाधीश,अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मलखान सिंह ने प्रचार वाहन को रवाना किया। यह वाहन लखनऊ की समस्त तहसीलों, ब्लॉकों और दूर-दराज इलाकों में जाकर लोक अदालत के उद्देश्यों और लाभों की जानकारी देगा।जनपद न्यायाधीश ने जनपद के सभी नागरिकों, अधिवक्ताओं और समाजसेवियों से अपील की है कि 12 सितंबर की राष्ट्रीय लोक अदालत का बड़-चढ़कर लाभ उठाएं। पुराने मुकदमों को समाप्त करने के लिए यह स्वर्णिम अवसर है।

यूपी : आईटीआई में द्वितीय चरण का चयन परिणाम जारी, 12 से 17 सितंबर तक होंगे प्रवेश

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के राजकीय और निजी आईटीआई में द्वितीय चरण के चयन परिणाम जारी कर दिए गए हैं। चयनित अभ्यर्थियों के प्रवेश 12 से 17 सितंबर तक होंगे। अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र, मूल प्रमाणपत्र, अंकपत्र और फोटो लेकर संस्थान पहुंचना होगा। प्रवेश के दौरान उन्हें अपनी स्थिति के अनुसार 'फ़ौज' या 'प्लेटो' विकल्प चुनना होगा। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीबीटी) ने प्रदेश के राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में विभिन्न पाठ्यक्रमों के द्वितीय चरण के चयन परिणाम जारी कर दिए हैं। प्रथम चरण के आवंटन के बाद उच्चीकरण का चयन परिणाम भी पोषित किया गया है। चयन परिणाम अभ्यर्थी राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण



परिषद की वेबसाइट 222.ह्ण।ह्-ह्र्श.द्र्ठु और व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग की वेबसाइट 222.ह्र्श।द्र्हास्.र्.श1.द्र्ठु/स्/ह्र्हा पर देख सकते हैं। अधिशासी निदेशक

एससीबीटी अभिषेक सिंह ने बताया कि द्वितीय चरण में प्रवेश की प्रक्रिया 12 से 17 सितंबर तक चलेगी। अभ्यर्थियों को वेबसाइट पर दिए गए लिंक पर जाकर अपनी पंजीकरण

संख्या और जन्मतिथि दर्ज करनी होगी। चयन होने पर बुलावा पत्र वेबसाइट पर प्रदर्शित होगा, जिसे डाउनलोड कर उसका प्रिंट निकालना होगा। चयनित अभ्यर्थियों को आवेदन में दर्ज मोबाइल नंबर पर एसएमएस के जरिये भी सूचना दी जा रही है। जिनका चयन नहीं हुआ है, उनकी रैंक संबंधी जानकारी वेबसाइट पर प्रदर्शित होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को अगले प्रवेश चरण की प्रतीक्षा करनी होगी। चयनित अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र की प्रति, सभी मूल प्रमाणपत्र, अंकपत्रों की प्रतियां और उनकी एक-एक प्रमाणित प्रत के साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो लेकर संबंधित चयनित संस्थान के प्रधानाचार्य से निर्धारित अंतिम तिथि तक संपर्क करना होगा। संस्थान में उपलब्ध चयन सूची से अपने चयन का मिलान कराने के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

लखनऊ में बैंक कर्मचारियों का प्रदर्शन, पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग, कामकाज प्रभावित

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ समेत देशभर में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर हड़ताल की। शाखाओं में नियमित कामकाज प्रभावित रहा, हालांकि डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई और एटीएम सेवाएं जारी रही। यूनियनों ने मांग पूरी नहीं होने पर सितंबर में तीन दिन और अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी। पांच दिवसीय बैंकिंग, भेदभाव रहित पीएलआई (परफार्मेंस लिंकड इंसेंटिव) योजना लागू करने और अन्य मांगों को लेकर बैंक कर्मियों ने देशव्यापी हड़ताल की और सड़क पर उत्तरकर विरोध प्रदर्शन किया। लखनऊ की 905 बैंक शाखाओं में ताला लटका रहा। जमा - निकासी और



अन्य कार्यों के लिए बैंक पहुंचे खाताधारकों को मायूस स्रज्ज के प्रदेश अध्यक्ष एसके संतानी ने कहा कि पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने को लेकर सरकार और बैंक कर्मचारियों के बीच करीब दो साल पहले सहमति बनी

थी। इसके बावजूद इसे अब तक लागू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि बैंकिंग व्यवस्था को जल्द लागू किया जाए। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के जिला संयोजक अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि बैंककर्मों काफी

दिन काम करना पड़ रहा है। यूनियन की मांग है कि पहले से तय पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था को जल्द लागू किया जाए। यूनैटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के जिला संयोजक अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि बैंककर्मों काफी

समय से देशव्यापी प्रदर्शन, काला बैज धारण एवं एक्स (ट्रिक्ट) व पोस्टर अभियान आदि चला रहे थे। मीं पुरी न होने पर शुक्रवार को हड़ताल पर चले गए। फोरम के राज्य संयोजक कॉमेरेड वाई के अरोड़ा के नेतृत्व में हजरतगंज स्थित इंडियन बैंक में सभा एवं प्रदर्शन किया। सभा को संबोधित करते हुए कॉमेरेड दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि रिजर्व बैंक, एलआईसी, सेबी, नाबार्ड आदि विभागों में पांच कार्य दिवस हैं। हमारे साथ ही क्यों नाइंसाफी की जा रही है। इसके संगतानी ने सरकार की ओर से थोपी गई भेदभावपूर्ण पीएलआई योजना को तुरत खर्गित करने की मांग की। लक्ष्मण सिंह ने कहा कि जिन बैंकों ने अपने उच्चाधिकारियों को लाखों रुपये पीएलआई के नाम पर भुगतान किए हैं। उसे तत्काल वापस लिया जाए।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र–महाना

संवाददाता

लखनऊ/सेशेल्स 11 सितम्बर। यूपी विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने सेशेल्स की नेशनल असेंबली की स्पीकर अजरेल अर्नेस्टा से भेंट के दौरान भारत की जीवंत एवं सशक्त लोकतांत्रिक परंपरा तथा उत्तर प्रदेश विधानसभा की उत्कृष्ट विधायी कार्यप्रणालियों से उन्हें अवगत कराया।श्री महाना ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां लोकतांत्रिक संस्थाएं जनभागीदारी, संवाद और संवैधानिक मूल्यों के आधार पर निरंतर सशक्त हो रही हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा में अपनाई जा रही विभिन्न सर्वोत्तम विधायी प्रक्रियाओं की जानकारी भी साझा की। बैंकू के दौरान दोनों प्रतिनिधियों ने भारत और सेशेल्स के युवाओं के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संसदीय कार्यप्रणाली की समझ विकसित करने के लिए यूथ पार्लियामेंट के

आयोजन तथा दोनों देशों के युवाओं के बीच आदान-प्रदान कार्यक्रम शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा की। श्री महाना ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को लोकतंत्र की कार्यप्रणाली से जोड़ने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।उन्होंने भारत और सेशेल्स के बीच लंबे समय से चले आ रहे सौहार्दपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण संबंधों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेशेल्स यात्रा और दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत और सेशेल्स के संबंध आपसी विश्वास, सहयोग और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं।उत्तर प्रदेश के विकास का उल्लेख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सुश्री अजरेल अर्नेस्टा को पिछले लगभग 9 वर्षों के उत्तर प्रदेश में हुए आर्थिक एवं विकासात्मक प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता

‘सेवा संकल्प अभियान’ के जरिए शिक्षा जगत में विकसित भारत की संकल्पना को मिलेगा विस्तार

लखनऊ 11 सितंबर।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रस्तावित ‘सेवा संकल्प अभियान’ को जनभागीदारी का अभियान बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। लखनऊ स्थित आवास पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार सदीप सिंह, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ साथी सेन मारी तथा महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी सहित अन्य अधिकारीगण के साथ अभियान की तैयारियों एवं आयोजन के संबंध में बैठक कर विस्तृत चर्चा की।बैठक में उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा विभागों के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों तथा युवाओं को ‘सेवा संकल्प अभियान’ से जोड़ने की कार्ययोजना पर विशेष जोर दिया गया। अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल में हुए जनकल्याणकारी कार्यों, नीतिगत सुधारों और देश में आए बदलावों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ नागरिकों को ‘विकसित भारत 2047’ के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ना है। अभियान के अंतर्गत ‘25 करोड़ शिक्षित बच्चों के सपनों का भारत’ कार्यक्रम 17 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य बच्चों की कल्पनाओं और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से 25 वर्षों के सेवा कार्यों तथा विकसित भारत की संकल्पना को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाना है। इस कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा विभाग नोडल विभाग के रूप में कार्य करेंगे, जबकि स्थानीय जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रहेगी। प्रदेश के प्रत्येक शासकीय एवं निजी विद्यालय में कक्षा 5 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए ड्राइंग तथा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

- लखनऊ में आयुर्वेद इंटरन छात्रों ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।**
- छात्रों ने मौजूदा 7,500 रुपये मासिक स्टाइपेंड बढ़ाकर 25 हजार रुपये करने की मांग रखी। उनका कहना है कि 2011 से राशि में बढ़ोतरी नहीं हुई, जबकि अन्य चिकित्सा इंटरन का स्टाइपेंड बढ़ चुका है।**
- छात्रों ने समान मेहनत के लिए समान स्टाइपेंड की मांग की।**

संवाददाता

लखनऊ । लखनऊ में आयुर्वेद इंटरन छात्रों ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। छात्रों ने मौजूदा 7,500 रुपये मासिक स्टाइपेंड बढ़ाकर 25 हजार रुपये करने की मांग रखी। उनका कहना है कि 2011 से राशि में बढ़ोतरी नहीं हुई, जबकि अन्य चिकित्सा इंटरन का स्टाइपेंड बढ़ चुका है। छात्रों ने समान मेहनत के लिए समान स्टाइपेंड की

मांग की। आयुर्वेद इंटरन छात्रों ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर शुक्रवार को हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन किया। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं जुटे। प्रदर्शनकारियों ने मौजूदा 7,500 रुपये के स्टाइपेंड को बढ़ाकर 25 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग की। छात्रों का कहना है कि अब तक उनके स्टाइपेंड में एक रुपये का भी बढ़ोतरी नहीं हुई है, जबकि एमबीबीएस और बीडीएस इंटरन का



स्टाइपेंड बढ़ाया जा चुका है। छात्रों ने कहा कि पढ़ाई के साथ वे मरीजों के इलाज और अस्पताल से जुड़े कामों में भी जिम्मेदारी निभाते हैं। आयुर्वेद, झड़प हुई। पुलिस ने सभी को गाड़ी में बिठाकर इंको गार्डन भेजा। आयुर्वेद इंटरन डॉ. प्रखर ने कहा कि

आए थे। प्रदर्शन के दौरान इंटरन डॉक्टरों ने आयुष विभाग के अफसरों के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस और इंटरन डॉक्टरों के बीच झड़प हुई। पुलिस ने सभी को गाड़ी में बिठाकर इंको गार्डन भेजा। आयुर्वेद इंटरन डॉ. प्रखर ने कहा कि

नीट पास करने के बाद छात्र इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेते हैं। साढ़े चार साल की पढ़ाई के बाद एक साल की इंटरंशिप करनी होती है। उन्होंने कहा कि 2011 से 2026 हो गया, लेकिन स्टाइपेंड में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। छात्रों ने कहा कि कई इंटरन

सम्पादकीय

अब भी नासूर बना हुआ है आतंकवाद

आतंकवाद समकालीन विश्व की सबसे जटिल समस्याओं में से एक है। इसने समूचे विश्व को अपने प्रकोप से प्रभावित किया हुआ है। आज के दौर में यह समस्या और विकट होती जा रही है और किसी न किसी रूप में विश्व को ग्रसित कर रही है। आतंकवाद को परिभाषित किया जाए तो यह किसी व्यक्ति विशेष या संगठन द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सशस्त्र बल का प्रयोग कर समाज में हिंसा और भय उत्पन्न करना होता है। हिंसा और भय से समाज में भारी उथल-पुथल और अशांति पैदा कर समाज में एक व्यापक गतिरोध पैदा करने की मंशा से की जाने वाली घटनाएं आतंकवाद की श्रेणी में आती हैं। ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वाले कहीं जिहाद के नाम पर, कहीं पृथक देश बनाने की मांग पर और कहीं शोषण के विरुद्ध संघर्ष चलाने के नाम पर हिंसक घटनाओं को अंजाम देते हैं। विश्व के इतिहास में सबसे बड़ी आतंकी घटना अलकायदा द्वारा सितंबर 2001 में अमेरिका के विश्व व्यापार केंद्र और ‘पेंटागन’ पर हुई थी। 25 वर्ष पुरानी इस आतंकी घटना में लगभग तीन हजार लोग मारे गए थे और तमाम घायल हुए थे। इस घटना ने समूची दुनिया की नींद उड़ा दी थी। इस घटना के बाद अमेरिका और उसके साथी देशों ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक अभियान छेड़ा, लेकिन वह भटक गया। आज स्थिति यह है कि आतंकवाद से पीड़ित रहा अमेरिका उसके सबसे बड़े संरक्षक पाकिस्तान का दोस्त और शुभाक्षिण बना हुआ है। यह आतंक के खिलाफ अमेरिका के दोहरे मानदंड का परिचायक है। कुछ ऐसा ही रवेया चीन और तमाम अन्य देशों का भी है। इस कारण भी भारत पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवाद से ग्रसित है। भारत में अस्थिरता बढ़ाने और देश में अशांति फैलाने के उद्देश्य से अनेक भीषण आतंकी हमले किए गए। हमने अपने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी को भी ऐसी ही घटना में खो दिया। यह घटना भारत के इतिहास में सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक थी। भारत में आतंकवादी हमले लगातार होते रहे हैं। 2001 में भारतीय संसद पर हमला, 2002 में अक्षरधाम मंदिर पर हमला, 2006 में मुंबई लोकल ट्रेन पर हमला और 2008 में मुंबई पर हमला, 2019 में पुलवामा और 2025 में पहलगाम हमला प्रमुख आतंकी घटनाएं हैं। इन हमलों में सैकड़ों लोगों की जान गई और अनेक सुरक्षाकर्मियों ने भी अपना बलिदान दिया। भारत में होने वाली आतंकी घटनाओं के पीछे पड़ोसी देश पाकिस्तान की भूमिका रही है। फिल्म ‘धुरंधर’ पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद की कहानी को बड़े ही बेहतर ढंग से प्रस्तुत करती है। विडंबना यह कि मुंबई आतंकी हमले में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद भी राजनीतिक साहस की कमी और अदूरदर्शिता के कारण पीड़ितों को न्याय मिलने में बहुत देरी हुई। उस समय किसी दबाव में तत्कालीन सरकार पाकिस्तान पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाई। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने तो एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर झूठा विमर्श खड़ा कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की छवि खराब करने का काम किया। ये प्रसंग कहीं न कहीं हमारी राजनीतिक कमजोरियों को भी उजागर करते हैं, जिससे ऐसी घटनाओं के पीछे की ताकतों के मंसूबों को और बल मिलता है। आतंक के खिलाफ जैसी एकजुटता का अभाव विश्व स्तर पर है, वैसा ही राष्ट्रीय स्तर पर भी। आतंक के खिलाफ इतने वर्षों के संघर्ष के बाद भी आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए एक नासूर बना हुआ है। पहलगाम हमले के जवाब में भारत की सेना ने अदम्य साहस और पुरुषार्थ का परिचय देते हुए पाकिस्तान में घुसकर बहावलपुर और मुरीदके जैसी जगहों पर मौजूद बड़े आतंकी कैंप को ध्वस्त किया और सैकड़ों आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया। भारत सरकार के इस मजबूत इरादे और सेना की बहादुरी को पूरी दुनिया ने देखा। यह अपने आप में एक बदलते हुए नए भारत की तस्वीर है, लेकिन समस्या यह है कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता कायम नहीं हो पा रही है। प्रधानमंत्री मोदी अनेक वैश्विक मंचों से आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट मत प्रकट करते रहते हैं। वे आतंकवाद के खिलाफ ‘जीरो टालरेंस’ की नीति की वकालत करते हैं। विश्व को एक साथ मिलकर आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम उठाने चाहिए और इसका समूल नाश करने के लिए स्पष्ट नीति और नीयत दिखानी चाहिए। हाल ही में किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित ‘शंघाई सहयोग संगठन’ के सम्मेलन में सदस्य देशों ने आतंकवाद पर दोहरे रवेय के खिलाफ आवाज उठाई। ‘बिश्केक डिवलेंरेशन’ के नाम से दिए गए साझा बयान में कहा गया है कि सदस्य राष्ट्र आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई और इसके खतमे के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं। इस घोषणा में अपने निहित स्वार्थों के लिए आतंकवाद और उग्रवाद की अस्वीकार्यता पर भी चिंता व्यक्त की गई। देखना है कि ऐसी ही चिंता ब्रिक्स सम्मेलन में भी व्यक्त की जाती है या नहीं? वैसे, केवल चिंता जताना ही पर्याप्त नहीं।

ब्रिक्स से मोदी का बड़ा धमाका, हिल गए ट्रंप, क्या Critical Minerals बदलेंगे दुनिया की चाल?

अभिनय आकाश
चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी भारत आने की तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। बैक चैनल से भी, डिप्लोमेटिक चैनल से भी। अगर ऐसा होता है तो फिर यह ऐतिहासिक होगा। क्योंकि अगर जिनपिंग भी भारत आते हैं तो यह करीब 7 साल के बाद उनकी भारत की पहली यात्रा होगी। लगातार बदलते हुए वैश्विक हालातों में जहां पल-पल अनिश्चितता और अराजकता के बादल मंडरा रहे हैं। ऐसे में हाल ही में जहां किर्गिस्तान की राजधानी बिक्के पे एएससीओ का समिट खत्म हुआ। जहां दुनिया की तीन बड़ी महार्शकियों जिनमें चीन, रूस और भारत शामिल हैं जो कि तीनों एशिया में हैं। उनके बड़े नेता वहां पर मौजूद रहे। चाहे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग हो, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हो या भारत के प्रधानमंत्री मोदी हो। ऐसे में अब बारी है एक और समिट की जो कि दिल्ली में चल रही है। 18वां ब्रिक्स सम्मेलन जिसमें शामिल होने के लिए रूस के राष्ट्रपति शी जिनापिंग दिल्ली पहुंच चुके हैं। वहीं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी भारत आने की तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। बैक चैनल से भी, डिप्लोमेटिक चैनल से भी। अगर ऐसा होता है तो

फिर यह ऐतिहासिक होगा। क्योंकि अगर जिनपिंग भी भारत आते हैं तो यह करीब 7 साल के बाद उनकी भारत की पहली यात्रा होगी। इस साल यानी कि 2026 में ब्रिक्स का जो कमान है, जो अध्यक्षता है वो भारत के पास है। ब्रिक्स दुनिया की बड़ी अ भरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। इसमें भारत के अलावा रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका कोर मेंबर्स तो है ही। इनके साथ ही मिश्र यानी कि इजिप्ट, ईरान, इथियोपिया, यूएई यानी कि संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया भी शामिल है। ध्यान रखिए कि इसमें ईरान और यूएई दोनों शामिल हैं। जिनके बीच इस समय जंग के कारण ठनी हुई है। भारत की अध्यक्षता में पूरे साल अलग-अलग शहरों में बैठकें, मंत्री स्तरीय सम्मेलन और कई स्तर की चर्चाएं हो रही हैं। भारत का भी मुख्य फोकस ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने, आर्थिक सहयोग को बढ़ाने, ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने, डिजिटल तकनीक को शेयर करने और उसका इजाद करने, आतंकवाद से निपटने और सप्लाई चेन को मजबूत करने पर है। यानी कि भारत को सिरफ राजनीतिक मंच नहीं बल्कि व्यापार, निवेश और विकास के बड़े मंच के तौर पर आगे

विचार विमर्श

आसिम मुनीर के शिकंजे में पाकिस्तान

रंपरागत रूप से पाकिस्तान में सेनाध्यक्ष ही सत्ता के सबसे ताकतवर चेहरे रहे हैं, जिनका रसूख निर्वाचित सरकार और उसके मुखिया से कहीं अधिक होता है।

विवेक काटजू। श्रीराम कालेज आफ कामर्स में पांच सितंबर को अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो टूक कहा, %अगर पाकिस्तान कोई भी नापाक करतूत करता है, तो भारत के जांबाज उसके घर में घुसकर प्रहार करते हैं।% सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक से लेकर आपरेशन सिंदूर तक इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। इसमें संदेह नहीं कि भारत पाकिस्तान पर पूरी तरह भारी पड़ा, लेकिन पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने अपने प्लूक की आंखों में धूल झोंकने के लिए यह झूठी कहानी गढ़ दी कि उनकी फौजों ने भारत के कदम थाम लिए थे। अवाग के बीच अपनी छवि चमकाने में उनका यह फरेब इतना कारगर रहा कि इस सैन्य अभियान के दौरान थलसेना की सीधी भूमिका न होने के

बावजूद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उन्हें पदोन्नत कर %फील्ड मार्शल% की रैंक से नवाज दिया और वायुसेना प्रमुख के हाथ कुछ भी न लगा। आपरेशन सिंदूर के बाद भी मुनीर ने अपनी छवि को मुनाना जारी रखा। अमेरिकी राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप की जी-हुजुरी भी उनके हक में गई। पाकिस्तानी सैन्य-राजनीतिक नेतृत्व ने न केवल भारत से मध्यस्थता कराने में ट्रंप के दावे पर मुहर लगाई, बल्कि ट्रंप की इस हद तक खुशामद जारी रखी कि उनका नाम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए आगे भी बढ़या। परंपरागत रूप से पाकिस्तान में सेनाध्यक्ष ही सत्ता के सबसे ताकतवर चेहरे रहे हैं, जिनका रसूख निर्वाचित सरकार और उसके मुखिया से कहीं अधिक होता है। मुनीर ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ एवं अपने बीच सत्ता

की इस खाई को अप्रत्याशित रूप से कई गुना और चौड़ा कर दिया। उन्होंने पाकिस्तान के राष्ट्रीय जीवन के हर पहलू में सीधा हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया। इससे भी बढ़कर उन्होंने पाकिस्तानी तंत्र में सेना प्रमुख के पद को कानूनी और संवैधानिक रूप से ऐसा अभेद्य कवच प्रदान करने का फैसला किया कि उस पर किसी भी प्रकार का अंकुश असंभव हो जाए। ऐतिहासिक रूप से पाकिस्तानी सेना ही स्वयं को देश की वास्तविक शासक मानती आई है। वह नौसेना और वायुसेना को महज %तकनीकी सेवाओं% से अधिक कुछ नहीं समझती, भले ही सैद्धांतिक तौर पर इन दोनों अंगों के प्रमुखों को थलसेना प्रमुख के समकक्ष दर्जा प्राप्त रहा हो। अब यह मानक समानता भी अतीत की बात हो चुकी है। नौसेना और

वैश्विक अराजकता में भारत की आध्यात्मिक दिग्विजय

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम्
11 सितम्बर दुनिया के लिए दो अर्थ रखता है। 2001 में इसी दिन अमेरिका में वल्ट्रेड सेंटर पर हमला हुआ - आतंक, असहिष्णुता और सभ्यताओं के टकराव का प्रतीक। और इससे ठीक 108 साल पहले 1893 में इसी दिन शिकागो में एक तीस वर्षीय भारतीय सन्यासी ने विश्व धर्म महासभा में कहा था -  अमेरिका के मेरे प्यारे भाईयों और बहनों  - और दो मिनट तक हॉल तालियों से गूँजता रहा। वह था स्वामी विवेकानंद का दिग्विजय भाषण। एक ने दुनिया को बांटा, दूसरे ने जोड़ा। आज जब विश्व फिर उसी दोराहे पर खड़ा है, तब दिग्विजय दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है। दिग्विजय केवल भाषण नहीं, भारत का आत्म परिचय था-- 1893 का भारत गुलाम था, भूखा था, अंग्रेजों द्वारा बर्बर कहा जाता था। शिकागो में विश्व धर्म महासभा का उद्देश्य भी ईसाई धर्म की श्रेष्ठता सिद्ध करना था। वहीं सात हजार लोगों के सामने विवेकानंद ने पांच मिनट में दुनिया की सोच पलट दी। अपने सम्बन्धन में उन्होंने तीन सूत्र दिए-- पहला सहिष्णुता नहीं, स्वीकृति-- उन्होंने

कहा, मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे धर्म से हूँ जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सर्वभौमिक स्वीकृति का पाठ पढ़ाया है। हम सिर्फ सहन नहीं करते, स्वीकार करते हैं कि सभी धर्म सत्य हैं। यह आज के टॉलरेंस% के पंथमी विमर्श से कहीं आगे का विचार है। दूसरा गर्व और सेवा का समन्वय-- उन्होंने भारत को शरण देने वाला देश बताया - हमने यहूदियों को शरण दी जब रोम ने उन्हें मारा, हमने पारसियों को शरण दी। यह सनातन का वसुधैव कुटुम्बकम् है, जो आज भारत की विदेश नीति में %विश्व मित्र% बन कर लौटा है। और तीसरी बात कि मनुष्य ही केंद्र है-- दरिद्र नारायण की अवधारणा। धर्म मंदिर में नहीं, मनुष्य की सेवा में है। यही व्यावहारिक वेदांत है। इसीलिए इसे दिग्विजय कहा गया - शस्त्र से नहीं, विचार से विश्व विजय।

आज के वैश्विक परिवेश में दशा और दिशा - क्यों फिर प्रासंगिक है?- 2026 की दुनिया 1893 से अलग नहीं, बल्कि अधिक जटिल है। इसके कारण में पहला है आज पुनः सभ्यताओं का टकराव लौट आया है-- रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-गाजा संघर्ष, अमेरिका-चीन टैरिफ वार,

यूरोप में दक्षिणपंथ का उभार - दुनिया फिर हम बनाम वे में बंट रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है, पिछले दस साल में धार्मिक आधार पर हिंसा 40 फीसदी बढ़ी है। ऐसे में विवेकानंद का सभी धर्म सत्य हैं का घोष एकमात्र एंटी-डोट है। जब ट्रंप प्रशासन %लिबेरेशन डे टैरिफ% और एकतरफा प्रतिबंध लगाता है, तब दुनिया को एक ऐसी आवाज चाहिए जो कहे - एकता में विविधता ही प्रकृति की योजना है।दूसरा है आध्यात्मिक शून्यता का संकट-- विकसित देशों में अवसाद, अकेलापन, आत्महत्या दर रिकॉर्ड पर है। अमेरिका में हर तीसरा युवा खुद को अकेला बताता है। भौतिक समृद्धि ने मन की भूख नहीं मिटाई। भारत का योग, ध्यान, वेदांत आज ग्लोबल वेलेनेस इंडस्ट्री बन चुका है, जिसकी कीमत 5.6 ट्रिलियन डॉलर है। 11 सितम्बर 1893 को विवेकानंद ने जो बीज बोया था, वही आज योग दिवस (21 जून) और मिलेट वर्ष के रूप में फल-फूल रहा है। तीसरी बात कट्टरता बनाम उदारता की-- एक तरफ ढ़ूँढ़ूसूँ, अल-कायदा जैसी जिहादी विचारधारा, दूसरी तरफ श्वेत श्रेष्ठतावाद। दोनों एक ही सिक्के के दो



बढ़ाने की तमाम देशों की कोशिश है। ब्रिक्स दुनिया की प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों के एक प्रभावशाली अंतर सरकारी संगठन है। इसके सदस्य शुरूआत में तो ब्राजील, रूस, भारत और चीन रहे यानी कि ब्रिक। लेकिन बाद में एक साल के बाद ही 2010 में दक्षिण अफ्रीका भी शामिल हुआ। और इसके ब्रिक्स कहा जाने लगा। इसके बाद हाल ही के वर्षों में कई अन्य देश भी इसके साथ जुड़े।

जिसमें इसकी कुल संख्या 10 प्रमुख देशों की हो चुकी है। नए सदस्य देशों में मिस्र, इथियोपिया, ईरान और यूएई शामिल है। इका मकसद वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद यानी कि जीडीपी और व्यापार में अपनी हिस्सेदारी को मजबूत करना है। न्यू डेवलपमेंट बैंक यानी कि एनडीबी के माध्यम से बुनियादी ढांचा और विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देना है। और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों जैसे कि विश्व बैंक यानी कि वर्ल्ड बैंक और

आईएमएफ जैसे तमाम जो संगठन है संस्थान हैं वहां पर विकासशील देशों की बेहतर आवाज और सुधार सुनिश्चित करना है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का स्थान लगातार बढ़ रहा है। वजह साफ है। जब भी दुनिया पर संकट आया हमेशा भारत ने मदद का हाथ बढ़ाया। खास बात यह भी है कि भारत सिर्फ अपने लिए आवाज नहीं उठाता बल्कि भारत ता जो विकासशील देशों यानी कि ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज भी बन

लखनऊ, शनिवार 12 सितम्बर 2026

एक पेच यह भी है कि यह पद थलसेना प्रमुख के पास ही रहेगा। यह कानून सुनिश्चित करता है कि सभी सामरिक पहलुओं पर सीडीएफ का ही पूर्ण नियंत्रण होगा। यानी पाकिस्तानी नौसेना और वायुसेना का रणनीतिक, परिचालन एवं प्रशासनिक नियंत्रण सीडीएफ के पास ही होगा। स्पष्ट है कि सैन्य अधिकारियों की पदोन्नति, नियुक्ति और तबादलों में चुनी हुई सरकार की अब कोई भूमिका नहीं रह जाएगी। इस तरह सेना प्रमुख के प्रस्तावों को मंजूरी देने की जो रस्म अदायगी वाली परिपाटी बची हुई थी, उस पर भी पूरी तरह पर्दा गिर जाएगा। यह कवायद कुछ और नहीं, बल्कि कानूनी प्रक्रिया के जरिये पाकिस्तान में फौज की पकड़ को और पुख्ता एवं गहरा करने जैसा है। नेशनल कमांड अथॉरिटी एक्ट में संशोधन के बाद अब सीडीएफ ही उस संस्था के उपाध्यक्ष होंगे, जो युद्ध के समय पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के उपयोग सहित उनके पूरे संचालन का फैसला करती है।

पाकिस्तान के परमाणु शस्त्रागार को सुरक्षित रखने के जिम्मेदार सैन्य जनरल की वास्तविक नियुक्ति भी अब सीडीएफ ही करेगे। यह कोई दबी-छिपी बात नहीं रही कि पाकिस्तान में लोकतांत्रिक नकाब के पीछे असली चेहरा फौज का ही रहा है। विदेश नीति की बागडोर भी हमेशा सेना के हाथ में रही है। चूँकि अब सीडीएफ को कानूनी तौर पर इसीमित अधिकार मिल जाएंगे तो इन नकाब की भी जरूरत नहीं रह जाएगी। भारत के लिए यह चिंता का सबब होगा, क्योंकि पहले से ही कमजोर निर्वाचित सरकार के साथ

वार्ता का कोई अर्थ-औचित्य ही नहीं बचेगा। पाकिस्तानी सेना प्रमुख की ताकत जिस कदर बढ़ गई है, उसे देखते हुए कोई प्रधानमंत्री उन्हें यह समझाने में संकोच ही करेगा कि भारत से बैर असल में पाकिस्तान की अधिक अहित कर रहा है। रही-सही कसर मुनीर का वह कट्टर सोच पूरा कर देगा, जो आज भी पाकिस्तान की बुनियाद बने द्विराष्ट्र सिद्धांत को अपना मूल मानता है। भारत के प्रति मुनीर की कटुता बहुत गहरी है, जिसके निकट भविष्य में कम होने के कोई आसार नहीं। वैचारिक पहलुओं से इतर भी इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि ईरान और अमेरिका के बीच कथित मध्यस्थता में निभाई भूमिका के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें चर्चा मिली है, क्योंकि वही पाकिस्तानी प्रयासों का चेहरा बने रहे। हालांकि %इस्लामाबाद समझौता% बेनतीजा ही रहा, लेकिन इसके जरिये उपजे मुनीर के मिथ्या अभिमान से भारत के विरुद्ध उनकी बेतुकी एवं अडिगल नीति पहले की तुलना में और जहरीली हो जाएगी। अब मुनीर के हाथ में सत्ता की असीमित ताकत आने के बाद पाकिस्तान में पहले से कमजोर लोकतंत्र की हालत और खस्ता हो होनी है। अब अदालतें भी पूरी तरह फौज के इशारों पर चलने को मजबूर होंगी। ऐसे में इमरान खान जैसे राजनीतिक विरोधियों की रिहाई असंभव सी दिखती है। केवल अफगानिस्तान के साथ बढ़ती समस्याएं और टीटीपी एवं बलूच विद्रोहियों से निपटने में मुनीर की नाकामी ही उनकी राह में बचे हुए कुछ कांटे शेष हैं।

पहलू हैं - असहिष्णुता। विवेकानंद ने कहा था - संप्रादायिकता, कट्टरता और लहड़मिता ने इस सुंदर पृथ्वी को हिंसा से भर दिया है। यह वाक्य आज की ब्रेकिंग न्यूज़ लगता है। इसलिए दिग्विजय दिवस की दिशा स्पष्ट है - यह केवल अतीत का जश्न नहीं, भविष्य का रोडमैप है। लक्ष्य है, धर्म को विवाद से निकाल कर संवाद बनाना। आज के भारत की भूमिका, शिकागो से नई दिल्ली तक-- यदि 1893 में भारत ने विचार दिया था, तो 2026 में भारत उसे आचरण में उतार रहा है। कैसे? तो गौर से समझिए कूटनीति में दिग्विजय-- आज भारत की विदेश नीति विवेकानंद के विश्व बंधुत्व का ही आधुनिक रूप है। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता-- जब दुनिया अमेरिका बनाम चीन में बंटी है, भारत कह रहा है - हम किसी के विरोध में नहीं, सबके साथ हैं। भारत ब्रिक्स में रूस-चीन के साथ भी है, क्राड में अमेरिका-जापान के साथ भी। यह स्ट्रेटेजिक ऑटोनामी नहीं, विवेकानंद की स्वीकृति का सिद्धांत है। जी-20 2023 और वसुधैव कुटुम्बकम् - भारत ने जी-20 का मंत्र वसुधैव कुटुम्बकम् दिया। अफ्रीकन यूनियन

को जी-20 में शामिल कराया। यह वही भावना है - सभी को साथ लेकर चलना। वैक्सीन मंत्री, योग कूटनीति-- कोविड में सौ देशों को वैक्सीन, दो सौ देशों में योग। सेवा ही धर्म है का व्यावहारिक वेदांत है। आंतरिक मोर्चे पर चुनौती और लक्ष्य-- विवेकानंद ने कहा था-- भारत को जानना है तो पहले गरीब, दलित, पिछड़े को गले लगाना होगा। सभी सामाजिक विभाजन ध्रम हैं। आज भारत दो चुनौतियों से जुझ रहा है - पहला है सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और सोशल मीडिया पर नफरत। और दूसरा जातीय जनगणना, आरक्षण और आर्थिक असमानता है। दिग्विजय दिवस का लक्ष्य हमें याद दिलाता है - राष्ट्रवाद नफरत पर नहीं, गले और सेवा पर बनेगा। जैसे विवेकानंद ने कहा - गर्व करो कि तुम हिन्दू हो, पर दूसरों से घृणा मत करो। प्रधानमंत्री मोदी ने इसीलिए शिकागो भाषण को बार-बार दोहराया है - कन्याकुमारी में विवेकानंद शिला पर ध्यान, नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा, और %विकसित भारत 2047% का मंत्र - आत्मविव्क्षास - भारत ने जी-20 का मंत्र वसुधैव कुटुम्बकम् दिया। अफ्रीकन यूनियन

हिमालय गए थे, तो हाथ में विवेकानंद की किताब थी। वह व्यक्तिगत दिग्विजय ही आज राष्ट्रीय दिग्विजय बन रही है। युवा के लिए दिग्विजय है-- भारत दुनिया का सबसे युवा देश है, औसत आयु 29 साल। विवेकानंद ने शिकागो में सबसे ज्यादा युवाओं को ही आकर्षित किया था। उन्होंने कहा - उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। आज के युवा के तीन लक्ष्य होने चाहिए, जो दिग्विजय दिवस तय करता है। पहला है आत्म-गौरव-- अपनी संस्कृति पर हीन भावना छोड़ो। अंग्रेजी सीखो, पर संस्कृत भूलो मत। ुद्ध सीखो, पर वेदांत भी पढ़ो। दूसरे सेवा-- रामकृष्ण मिशन आज भी 1200 स्कूल, अस्पताल चलाता है। हर युवा साल में सौ घंटे सेवा करे - यही राष्ट्र-निर्माण है। और तीसरे है कि विश्व-नागरिक बनो-- केवल नौकर के लिए नहीं, विचार के लिए दुनिया में जाओ। भारतीय डायस्पोरा 3.5 करोड़ है, वह भारत का सॉफ्ट पावर है। अंत में निष्कर्ष यही है कि यह दूसरी दिग्विजय का समय है।1893 के एक संन्यासी ने अमेरिका को भारत समझाया था।

इस समूह में शामिल हुआ, जिसके बाद इसका नाम बदलकर ब्रिक्स (ब्रह्मदृष्ट) कर दिया गया। शुरुआती सालों में, यह समूह मुख्य रूप से मैक्रो-इकोनॉमिक और डेवलपमेंट फाइनंस से जुड़े मुद्दों पर तालमेल बिठाने वाले मंच के तौर पर काम करता था। इस दिशा में इसकी सबसे ठोस उपलब्धि 2014 में %न्यू डेवलपमेंट बैंक% की स्थापना थी। 2024 में, ब्रिक्स ने चार नए पूर्ण सदस्य देशों – मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (॰श) – को शामिल किया और 2025 में इंडोनेशिया इसका पूर्ण सदस्य बना। ब्रिक्स के सहयोगी देशों में बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, ??कजाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम शामिल हैं। सऊदी अरब को इस समूह का पूर्ण सदस्य माना जाता है; हालाँकि, देश ने अभी तक इसमें शामिल होने के अपने इरादे की औपचारिक घोषणा नहीं की है, जिससे उसकी स्थिति स्पष्ट नहीं है। अफ्रीका, दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया, मध्य एशिया और लैटिन अमेरिका तक फैले इस समूह में दुनिया की 49.5 प्रतिशत आबादी रहती है।

भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ रोहित मिश्र के स्वागत में उमड़ा युवा सैलाब, बैसवारा द्वार पर जेसीबी से पुष्पवर्षा

संवाददाता
उन्नाव। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनिर्‍युक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ रोहित मिश्र के प्रथम उन्नाव आगमन पर भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने ऐतिहासिक स्वागत किया। गदन खेड़ा बाईपास स्थित बैसवारा द्वार पर दोपहर से ही युवाओं का हुजूम उमड़ पड़ा। निवर्तमान युवा मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ललित द्विवेदी, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष कुश सिंह और जिला कार्यकारिणी सदस्य आशुतोष सिंह आशु के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने डोल-नगाड़े, डोजे की धुन और आतिशबाजी के बीच प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार अभिनंदन किया। ठीक सवा तीन बजे जैसे ही प्रदेश अध्यक्ष डॉ रोहित मिश्र का काफिला



बैसवारा द्वार पर पहुंचा, पूरा माहौल +भारत माता की जय+ और +युवा मोर्चा जिंदाबाद+ के नारों से गुंज

उठा। कार्यकर्ताओं ने पहले से खड़ी कर रखी जेसीबी मशीन से प्रदेश अध्यक्ष पर भारी पुष्पवर्षा की। सड़क पर गुलाब की पंखुड़ियों की चादर बिछ गई। आतिशबाजी और धमाकों के बीच स्वागत ऐसा था कि नजारा देखते ही बन रहा था। जिला उपाध्यक्ष कुश सिंह ने प्रदेश अध्यक्ष डॉ मिश्र को स्मृति चिन्ह व शहीद-ए-आजम प. चंद्रशेखर आजाद के साथ उनका चित्र भी भेंट किया। इस दौरान ललित द्विवेदी व आशुतोष सिंह आशु ने भव्य माला पहना कर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया और कहा कि युवा मोर्चा अब गांव-गांव तक भाजपा की विचारधारा पहुंचाएगा। स्वागत के बाद सैकड़ों बाइकों और चार पहिया वाहनों के भारी काफिले के साथ कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष को भाजपा जिला कार्यालय लेकर पहुंचे। रास्ते भर जगह-जगह युवा टोलियों ने माला पहनाकर उनका अभिवादन किया। जिला कार्यालय पर भी कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से लाद दिया। इस

अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ रोहित मिश्र ने कहा, +एक-एक कार्यकर्ता स्वयं को रोहित मिश्रा समझे। यह पद नहीं, जिम्मेदारी है। हम सबका लक्ष्य एक ही है - 2027 में पुनः प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाना है।+ उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, गृह मंत्री अमित शाह जी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में हम प्रदेश में पुनः भगवा फहराने जा रहे हैं। इसके लिए सभी को अभी से अपनी-अपनी भागीदारी निभानी होगी। बूथ स्तर तक युवाओं को जोड़ना होगा। डॉ मिश्र ने कहा कि युवा मोर्चा सिर्फ संगठन

नहीं, संस्कार है। हमें सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक विपक्ष के झूठ का जवाब देना है और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे 2027 के महासंग्राम के लिए तैयार हो जाएं। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष, युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष, नगर के पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में ललित द्विवेदी ने सभी का आभार व्यक्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था संभाले रखी। स्वागत से उत्साहित युवा कार्यकर्ताओं में 2027 के चुनाव को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

रबी अभियान की तैयारी हेतु जनपद में उर्वरकों की उपलब्धता बनाये रखने जिससे कृषकों को निर्धारित दर एवं सुगमता पूर्वक उर्वरक उपलब्ध कराने हेतु बैठक

ललितपुर जिलाधिकारी ललितपुर की अध्यक्षता में गठित जनपद स्तरीय कमेटी एवं जनपद के आपूर्तिकर्ता उर्वरक कम्पनी के प्रतिनिधि थोक उर्वरक विक्रेताओं की बैठक आयोजित की गई जिसमें जिलाधिकारी के द्वारा थोक उर्वरक विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिये गये कि जनपद के फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को उर्वरको की आपूर्ति निर्धारित दर पर करने एवं किसी प्रकार के अन्य उत्पादों की टैंगिंग न की जाये अगर ओवर रेटिंग की शिकायत प्राप्त होती है तो उसके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जायेगी साथ ही फुटकर उर्वरक विक्रेताओं एवं समस्त साधन सहकारी समिति के सचिवों को निर्देशित किया गया कि उर्वरकों का विक्रय कृषित भूमि के आधार पर संतुलित मात्रा में एवं निर्धारित दरों पर उर्वरकों का विक्रय करना सुनिश्चित करें।

उन्नाव शुक्लागंज विकास प्राधिकरण की टीम की उपस्थिति में गिराया गया जर्जर मकान



संवाददाता
उन्नाव । सचिव उन्नाव शुक्लागंज विकास प्राधिकरण मनोज कुमार सिंह द्वारा प्राधिकरण की टीम की उपस्थिति में सुभाष निगम, निवासी- डरियन टोला, कैथियाणा, चौधराना मस्जिद वाली रोड उन्नाव के जर्जर मकान को ध्वस्त कराए जाने की कार्यवाही कराई गई है। सचिव प्राधिकरण श्री मनोज कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान में यह मकान पूर्णतः जर्जर अवस्था में था रहने योग्य नहीं था। वर्षों के कारण उक्त भवन की दीवार गिरकर वर्तमान में बिजली के खंभे के सहारे टिकी हुई थी। जो किसी भी समय गिर सकती थी तथा कोई अप्रिय घटना घटित होने से जनहानि होने की प्रबल संभावना थी। उक्त जर्जर भवन को ध्वस्त कराए जाने के लिए पालिका द्वारा मकान स्वामी को नोटिस प्रेषित की गयी थी तथा दूरभाष पर भी स्थिति के विषय में भी अवगत कराया गया था, किन्तु वर्तमान स्थिति की गंभीरता को दृष्टिगत अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी थी। कोई अप्रिय दुर्घटना न हो इसके लिये आज ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई है।

34 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर की गई कार्यवाही



संवाददाता
उन्नाव। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश एवं जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक संयुक्त आबकारी आयुक्त लखनऊ जौन, उप आबकारी आयुक्त लखनऊ प्रभार द्वारा अवैध शराब की बिक्री व तस्करी की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान में दिये गए निर्देशों के क्रम में जिला आबकारी अधिकारी उन्नाव अनुराग मिश्र के नेतृत्व में दिनांक 10-09-2026 को निशांत सिंह, आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र 4 पुरवा, उन्नाव मय हमराह व स्थानीय पुलिस स्ट्याफ तथा लखनऊ प्रवर्तन टीम से आबकारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार चौधरी, गुंजन सक्सेना व शालिनी कन्नौजिया की संयुक्त टीम द्वारा थाना मोरावा अंतर्गत ग्राम अस्पेदा , बेरदा में छपेमारी के दौरान 34 लीटर कच्ची शराब बरामद कर 01 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धारा में पंजीकृत कर नियमानुसार कार्यवाही की गई व लगभग 350 किग्रा लहन महुआ मौके पर नष्ट किया गया।

उपजिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर बाढ़ राहत केन्द्र का किया निरीक्षण

संवाददाता
परियर (उन्नाव)। सदर तहसील क्षेत्र में गंगा के बढ़ते जलस्तर से बने बाढ़ के हालात को देखते हुए उपजिलाधिकारी राजेश कुमार विश्वकर्मा ने शुक्रवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बाबा बलखंडेश्वर मंदिर स्थित बाढ़ राहत केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान



बाबा बलखंडेश्वर मंदिर समिति के अध्यक्ष रविशंकर मिश्रा से बाढ़ की स्थिति और राहत व्यवस्था को लेकर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। एसडीएम ने बताया कि बाढ़ राहत शिविरों में प्रभावित लोगों की सुविधा के लिए राहत शिविर में गद्दे, पेय जल और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करा दी गई है। निगरानी व व्यवस्था के लिए को क्षेत्र में कई टीमें लगा कर लगातार किसी भी आपात स्थिति में तत्काल अलर्ट रहने को कहा। इसके बाद राजस्व विभाग के लेखपाल दीपचंद्र, प्रदीप, योगेश कुमार और शैलेन्द्र ने देवी पुरवा, माना बंगला, ललतु पुरवा, पनपथा , बाबू बंगला समेत कई बाढ़ प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया और आवागमन के लिए जरूरत के हिसाब से 8 नावे लगाई गई हैं।

आईजीआरएस की शिकायतों का कराया जाए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, शिकायत के निस्तारण से शिकायत कर्ता की संतुष्टि आवश्यक - जिलाधिकारी



संवाददाता
उन्नाव । जिलाधिकारी घनश्याम द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में सीएम डैशबोर्ड में विभागीय कार्यों, आईजीआरएस में शिकायतों के निस्तारण की स्थिति, राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के निस्तारण की स्थिति, फॉर्मर रजिस्ट्री सहित अन्य प्रमुख बिंदुओं पर

समीक्षा की गई। जिला अधिकारी ने आईजीआरएस के संबंध में फरियादियों को शिकायतों का संतुष्टि लेवल बहुत कम होने पर अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण का असंतुष्टि लेवल बढ़ रहा है इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। कहा शिकायतों का

गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें। शिकायतकर्ता की संतुष्टि आवश्यक है । जिला अधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों से एक एक करके धारा, 34 24, 116, से संबंधित लंबित वादों, फॉर्मर रजिस्ट्री के लंबित प्रकरणों की जानकारी तहसील वार ली और अभियान चला कर संबंधित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने और उनके जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक पूरे देश में एक महीने का सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा



जाखलौन ललितपुर । कस्बे में भाजपा की संकल्प सेवा हुई बैठक में संगठन के निर्देश पर चलाए जाने वाले सातों अभियानों की रूप रेखा तय की गई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने और उनके जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक पूरे देश में एक महीने का सेवा संकल्प अभियान चलाया जाने वाला है। जिसका मुख्य

शाम को हर बूथ पर दीये जलाए जाएंगे। स्कूलों में %विकसित भारत% और %मेरे सपनों का भारत% विषय पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी। आंगन मिलन सेवा 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्त्रियों का सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत उन्हें दिए साड़ी, मिठाई का डिब्बा और फल दिए जायेंगे। मंडल अध्यक्ष देशपत कुशवाहा ने बताया कि सेवा ज्योति कलश यात्रा के अंतर्गत 7 अक्टूबर को सभी जिला मुख्यालयों पर कलश यात्रा निकाली जाएगी सेवा सेतु कैप ब्लॉक स्तर पर शिविर लगाकर लोगों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। समापन 17 अक्टूबर को सुभाष सेवा संवाद के साथ अभियान का समापन होगा। इसके अतिरिक्त मोदी जी की कर्मभूमि बनारस से जन्मभूमि बड़नगर तक बाइक रैली युवा मोर्चा के द्वारा निकाली जाएगी। इन सब

कार्यक्रमों को व्यवस्थित और सफल बनाने के लिए दोनों महामंत्री संयोजक और उपाध्यक्ष सह संयोजक रहेंगे। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश कुशवाहा नजई का कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र में मंत्री बनाए जाने के बाद प्रथम आगमन पर सभी कार्यकर्ताओं ने शॉल श्रीफल भेंटकर मुंह मीठा करवाकर शुभकामनाएं दीं। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष देशपत कुशवाहा तथा संचालन कोषाध्यक्ष अजय पाल ने किया। बैठक में श्याम बिहारी कौशिक, जितेंद्र रिछरिया, मंडल महामंत्री मनोहर अहिरवार, जिला मीडिया प्रभारी देवेन्द्र गुप्त, माधव सिंह, रविंद्र कुमार, अवधेश बबेले, अनुरागेंद्र सिंह बुंदेला, प्रदीप रिछरिया, विप्रेन्द्र प्रकाश कौते, राकेश श्रीवास्तव, विजय राजपूत, परमात्मा राजपूत, निहाल राजपूत, गुलाब प्रजापति, कृष्णा प्रजापति, सूरज पटेल सहित सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

ब्राह्मण महा मंडल की शोक सभा में दिवंगत आत्माओं को दी श्रद्धांजलि



शोक संतप्त परिवारों के प्रति जताई संवेदना
महरौनी ललितपुर ब्राह्मण समाजोत्थान सेवा संस्थान (रंज.) के तत्वावधान में ब्राह्मण महा मंडल महरौनी द्वारा संगठन अध्यक्ष रामविलास कटार के अध्यक्षता में एक श्रद्धांजलि एवं शोक सभा का आयोजन किया गया। सभा में महरौनी नगर के रामलीला मैदान निवासी पं शंभू दयाल पुरोहित की धर्म पत्नी एवं राम बाबू, कृष्ण किशोर की पूज्यनीय माताजी श्रीमती साक्षित्री पुरोहित के निधन पर एवं ग्राम सौजना निवासी पं भवानी शंकर पटेरिया व हरि शरण पटेरिया के पूज्यनीय पिताजी पं जगन्नाथ पटेरिया के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया इस अवसर पर उपस्थित सभी विप्रजनों ने दिवंगत आत्माओं की पावन स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। साथ ही शोकपूर्ण परिवारों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति एवं संवेल देने की कामना भी की गई इस अवसर पर श्रीप्रकाश दीक्षित, रामविलास कटार, जगदीश पंडा, कमलेश पंडा, रामकुमार नायक, महेश तिवारी, ब्रजेश रिछरिया, पुष्पेंद्र पटेरिया, शैलेन्द्र नायक, अजय पाण्डेय, सुनील बैद्य, अवधेश नायक, मनोराम तिवारी, विनोद मिश्रा, जगत नारायण पटेरिया, हरिशरण पटेरिया सिंघवाहा, स्वप्निल त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में विप्रजन उपस्थित रहे।

सक्षिप्त खबरें...

बकरे के मांस के नाम पर गैस का मांस परोसने के आरोप, जिम्मेदार विभाग की निगरानी पर उठे सवाल

संवाददाता
गंगाघाट (उन्नाव)। उन्नाव जिले के शुक्लागंज क्षेत्र में मटन से बने खाद्य पदार्थों में कथित मिलावट को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि कुछ दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों पर बकरे के मांस से बने व्यंजन के नाम पर अन्य मांस मिलाकर ग्राहकों को परोसा जा रहा है। यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह मामला केवल उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी तक सीमित नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा और धार्मिक भावनाओं से जुड़ा गंभीर विषय भी बन सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मटन करी, मटन कोरमा, कीमा, बिरयानी, कबाब, कलेजी, सीक बोटी, मटन स्टू सहित बकरे के मांस से तैयार होने वाले विभिन्न व्यंजनों में मांस की गुणवत्ता और स्रोत की जांच जरूरी है। आरोप है कि बकरे के मांस की कीमत वसूलकर ग्राहकों को दूसरे पशु का मांस दिए जाने की आशंका के बावजूद प्रभावी जांच नहीं हो रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि खाद्य प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल होने वाले मांस की वास्तविक पहचान और गुणवत्ता की जांच आखिर किस स्तर पर की जा रही है। यदि किसी ग्राहक को बकरे के मांस के नाम पर दूसरा मांस बेचा जाता है तो यह सीधे तौर पर उपभोक्ता के विश्वास के साथ खिलवाड़ होगा। वहीं, धार्मिक मान्यताओं से जुड़े उपभोक्ताओं के लिए इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। जांच के बिना आरोपों की पुष्टि संभव नहीं मामले में यह भी महत्वपूर्ण है कि केवल आशंका या शिकायत के आधार पर किसी दुकानदार को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मांस की प्रजाति की पुष्टि वैज्ञानिक जांच और अधिकृत खाद्य परीक्षण के माध्यम से ही हो सकती है। इसलिए संबंधित विभाग द्वारा नमूने लेकर उनकी प्रयोगशाला जांच कराई जाए और रिपोर्ट के आधार पर ही कार्रवाई की जाए। स्थानीय लोगों की मांग है कि खाद्य सुरक्षा विभाग क्षेत्र में मटन और मांस से बने खाद्य पदार्थों की बिक्की करने वाले प्रतिष्ठानों की निगरमित जांच करे। मांस के स्रोत, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड, लाइसेंस, स्वच्छता और खाद्य मानकों की भी जांच हो। शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित कानूनों के तहत कठोर कार्रवाई की जाए। मामले ने यह सवाल जरूर खड़ा कर दिया है कि अगर मुनाफे के लिए खाद्य पदार्थों में मिलावट की जा रही है तो जिम्मेदार विभाग की निगरानी व्यवस्था आखिर कितनी प्रभावी है? अब जरूरत आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और तथ्य सामने लाने की है।

अत्यधिक वर्षा से फसल नुकसान पर बीमित किसानों को मिलेगी तत्काल राहत : डीएम



ललितपुर। जनपद में पिछले दिनों हुई अत्यधिक भारी वर्षा के कारण किसानों की फसलों को पहुंचे भारी नुकसान को देखते हुए जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। जिलाधिकारी ने किसान भाइयों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए तत्काल प्रभाव से राहत पहुंचाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस सम्बंध में जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने बताया कि जनपद की समस्त ग्राम पंचायतों में फसल नुकसान का सही

और त्वरित आकलन करने के लिए राजस्व विभाग कृषि विभाग एवं फसल बीमा प्रतिनिधि की एक संयुक्त टीम गठित कर दी गई है। यह टीम पूरी पारदर्शिता के साथ फसलों का सर्वे करेगी इस सर्वे के दायरे में जनपद के सभी बीमित 99,051 ऋणी कृषक तथा 3,162 गैर-ऋणी कृषक शामिल होंगे 1,02,213 किसानों को अति शीघ्र मिलेगी क्षतिपूर्ति जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रभावित बीमित ऋणी और गैर-ऋणी दोनों ही श्रेणियों के कुल 1,02,213 कृषक भाइयों को फसल क्षति की तात्कालिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (क़स्बक़ब्बू) के नियमों के अंतर्गत मध्यावस्था प्रतिकूलता (क़स्बक़ब्बू स्वरुप श्रुतु सः 1 इहद्वद्वद्वद्व4) के तहत एक विशेष प्रस्ताव तैयार कर उत्तर प्रदेश की निदेशक कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा को पहले ही भेजा जा चुका है मुआवजे की प्रक्रिया में तेजी लाने के सख्त निर्देश जिलाधिकारी ने गठित संयुक्त टीम और बीमा कंपनी के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि नुकसान के आकलन और सर्वे की कार्रवाई को युद्धस्तर पर बिना किसी देरी के पूरा किया जाए, ताकि सभी प्रभावित बीमित किसान भाइयों को योजना के प्रावधानों के अनुसार अति शीघ्र क्षतिपूर्ति का लाभ दिलाया जा सके उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रशासन पूरी तरह से किसान भाइयों के साथ खड़ा है और प्रभावित बीमित किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधानों के अनुसार अति शीघ्र क्षतिपूर्ति का लाभ दिलाया जाएगा

सड़कें दलदल में तब्दील, नालियां जाम , मकानों में भरा पानी

संवाददाता
सरौला (हमौरपुर)। ग्राम पंचायत खण्डैत के मजरा रहटिया में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बारिश के बाद गांव की सड़कें दलदल में तब्दील हो गई हैं, जबकि नालियां जाम होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। जिससे सड़कें दल-दल में तब्दील हो गई हैं। सड़कों में कीचड़ व जल भरवा से बच्चे विद्यालय नहीं जा पाते हैं। जगह-जगह जलभराव एवं दल-दल होने से मंदिर से निकलने वाली संकीर्तन की प्रभात फेरी गांव का भ्रमण नहीं कर पाती है। लगातार जलभराव के चलते कई मकानों के आसपास पानी जमा है। ग्रामीणों का कहना है कुछ मकान गिरने की कगार पर पहुंच गए हैं। इससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में जल निकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश के समय हर वर्ष ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है।

बीजेपी सरकार में विकास के दावों की खुली पोल

4 महीने के अंदर उखड़ गई सड़क !

हैदरागढ़ बाराबंकी। विकास खंड त्रिवेदी गंज ? ग्राम पंचायत बहादुर पूर मवैया गांव, हैदरागढ़

बाराबंकी का मामला प्रकाश में आया छ

उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार मुक्त शासन और मजबूत बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के तमाम दावों के बीच बाराबंकी जिले के हैदरागढ़ क्षेत्र से एक चौकाने वाली तस्वीर सामने आई है। हैदरागढ़ के मवैया गांव में मनरेगा राज्य वित्त योजनान्तर्गत (वर्ष 2024-25) बनाई गई सड़क महज 4 महीने के भीतर ही बदहाली का शिकार हो गई है। तस्वीरें और वीडियो साफ बयां कर रहे हैं कि विकास कार्यों के नाम पर किस कदर सरकारी धन की बर्बादी और घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है।

शीलापट्ट पर चमकदार नाम, धरातल पर बिखरी ईंट

गांव की शुरुआत में लगा शिलापट्ट (उद्घाटन बोर्ड) गवाही दे रहा है कि इस सड़क का लोकार्पण क्षेत्रीय



विधायक माननीय श्री दिनेश रावत और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुनील सिंह द्वारा किया कारवाया गया था । शिलापट्ट पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा विकास का यह दावा अब राहगीरों को चिढ़ाता नजर आ रहा है।

सड़क की हकीकत यह है कि सीमेंट गायब, गिटियां,ईंट बाहर-निर्माण के कुछ ही महीनों बाद सड़क से ईंट उखड़कर बिखर चुकी हैं। गहरे गड्ढे और जलभराव- सड़क बीच-बीच में धंस गई है, जिससे जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं और बारिश का पानी जमा हो रहा है। दरारें और टूट-फूट सड़क के किनारों पर बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, निर्माण के वक मानक के अनुसार सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया गया।

ग्रामीणों में भारी आक्रोश, अधिकारियों और ठेकेदार पर उठे सवाल

सड़क के इस हाल से गांव के स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि- 'ठेकेदार और संबंधित विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से यह फर्जीवाड़ा हुआ है। मानक को



दर्किनार कर घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिसकी वजह से पहली ही बारिश/मौसम में सड़क पूरी तरह ध्वस्त हो गई। सरकारी खजाने की लूट की गई है।=

मुख्य सवाल जो जांच की मांग करते हैं

?गुणवत्ता की जांच क्यों नहीं हुई? - निर्माण के वक्त या लोकार्पण से पहले संबंधित विभाग के तकनीकी अधिकारियों ने इसकी गुणवत्ता की जांच क्यों नहीं की? ठेकेदार पर कार्रवाई कब? - 4 महीने में ही उधड़ने वाली सड़क बनाने वाले ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा या नहीं?

जनप्रतिनिधियों का मौन? - जिस शिलापट्ट पर विधायक और ब्लॉक प्रमुख का नाम दर्ज है, उस सड़क के भ्रष्टाचार पर प्रशासन संज्ञान कब लेगा?

निष्कर्ष

मवैया गांव की यह सड़क केवल एक भौतिक ढांचा नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार, लापरवाही और बदइंतजामी की जीती-जागती मिसाल बन चुकी है। अब देखना यह होगा कि शासन-प्रशासन इस वायरल वीडियो और जनता के आक्रोश के बाद ठेकेदार व जिम्मेदार अधिकारियों पर क्या सख्त कदम उठता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आज सारी तैयारियां पूरी।

संवाददाता

मऊ।राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 12-09-2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जिला एवं सत्र न्यायालय, मऊ में सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मऊ संजय कुमार यादव के मार्गदर्शन एवं नवल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत/एडीजे प्रथम रिजर्वी के निर्देशन में न्यायालयों, बैंक एवं वित्तीय संस्थानों, परिवहन विभाग, जिला प्रशासन तथा विभिन्न शासकीय विभागों के स्तर पर आवश्यक समन्वय एवं व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मऊ सिद्धार्थ चतुर्वेदी द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठते हुए अपने लंबित अथवा प्री-लिटिगेशन मामलों के शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए लोक अदालत में उपस्थित हों। लोक अदालत में आपसी समझौते से मामलों का त्वरित एवं सरल निस्तारण किया जाता है। यहाँ न्यायालय शुल्क नहीं लगता तथा लंबित वाद में जमा न्यायालय शुल्क की वापसी का भी प्रावधान है। लोक अदालत के निर्णय को

पक्षकारों पर प्रभावी माना जाता है तथा सामान्यतः उसके विरुद्ध अपील का प्रावधान नहीं होता। लोक अदालत में मुख्य रूप से मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, वैवाहिक/पारिवारिक विवाद, बैंक एवं ऋण संबंधी मामले, चेक बाउंस के मामले, श्रम विवाद, बिजली एवं जल संबंधी मामले, राजस्व एवं अन्य देवानी विवाद, उपभोक्ता संबंधी विवाद तथा ऐसे शमनीय आपराधिक मामले जिनमें कानूनन समझौते की अनुमति है, निस्तारित किए जा सकते हैं। प्री-लिटिगेशन मामलों का भी आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण कराया जा सकता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे न्यायालय परिसर में आने वाले वादकारियों एवं आमजन को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के फंड ऑफिस पर लोक अदालत से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी, मार्गदर्शन अथवा स्पष्टीकरण के लिए सहायता उपलब्ध रहेगी। आमजन से अपील है कि लोक अदालत के माध्यम से अपने विवादों का सरल, शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त करने का अवसर अवश्य लें।

फोरलेन पार करते समय बाइक की चपेट में आई छात्रा, मौत

बाइक छोड़कर सवार फरार, पुलिस ने कब्जे में लेकर शुरु की जांच

अमिला(मऊ)दोहरीघाट थाना क्षेत्र के बसारथपुर गांव के सामने शुक्रवार को फोरलेन सड़क पार करते समय बाइक की चपेट में आने से 18 वर्षीय छात्रा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद बाइक सवार बाइक छोड़कर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सहरानपुर निवासी हरिश्चंद्र सोनकर की 18 वर्षीय पुत्री नैना 12वीं कक्षा की छात्रा थी। बताया गया कि वह खेत से काम कर घर लौट रही थी। गांव के सामने फोरलेन सड़क पार करते समय अचानक तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नैना ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद बाइक सवार मौके पर बाइक छोड़कर फरार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मां उर्मिला देवी, बहन शालू, सुनैना और अंशिका तथा भाई मंगल का रो-रोकर बुला हाल था। परिजनों की चीख-पुकार से गांव में मातम छा गया।सूचना पर पहुंची दोहरीघाट पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में ले लिया। पुलिस बाइक के आधार पर फरार सवारों की पहचान और तलाश में जुटी है।

चेयरमैन प्रतिनिधि ने किया निर्माण कार्य का लोकार्पण,समस्याओं को दूर कर नगरवासियों को राहत पहुंचाना ही मेरा मुख्य उद्देश्य –अरशद रेयाज़

संवाददाता

कोपागंज(मऊ)। नगर पंचायत कोपागंज क्षेत्र स्थित वार्ड पांच हिकमा गाड़ा में मरिज्जद आयशा से चमन रोड पुलिया तक लगभग 2.94 लाख रुपये की लागत से निर्मित नाले पर स्लैब व गली सुधार कार्य एवं लगभग 2.33 लाख रुपये की लागत से निर्मित मौलवी एहसानुल्लाह के मकान से बाबू होटल तक नाली व जिग जैग इण्टरलाकिंग कार्य का लोकार्पण चेयरमैन प्रतिनिधि अरशद रेयाज़ के हाथों से सम्पन्न हुआ। उक्त लोकार्पण के मौके पर क्षेत्र की जनता ने अरशद रेयाज़ का आभार व्यक्त करते हुये उनका भव्य स्वागत किया है। इस अवसर पर लोकार्पण के उपरान्त अरशद रेयाज़ ने नगरवासियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि मेरा मकसद यही है कि कोपागंज के जिस क्षेत्र में समस्यायें विद्यमान हों उन्हें दूर कर नगरवासियों को राहत



पहुँचाऊँ। इसी लक्ष्य को पूरा करने के लिये मैं सतत प्रयास कर रहा हूँ कि कोपागंज को स्वच्छ, समतल, एवं सर्वगुण सम्पन्न बनाऊँ। उन्होंने लोगों से कहा कि नगर क्षेत्र में पानी निकासी को सुचारू बनाए रखने के लिए नाला एवं नाली की मरम्मत-निर्माण कराये जा रहे हैं,

पाइप लाइन स्थापित की जा रही है, रोड लाइट की व्यवस्था एवं रास्ते बनाये जा रहे हैं, जल निकासी की सुचारू व्यवस्था पर काम चल रहा है। इसी क्रम में शहर के थाना से चौक होते हुए ओड़ियाना बाजार को जाने वाले मुख्य मार्ग का निर्माण कार्य भी शीघ्र प्रारम्भ किया

जायेगा। अरशद रेयाज़ ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में आम लोगों को लाभ पहुँचाने वाली बहुत सी योजनायें तेजी से पूर्ण की जा रही हैं। इनके पूर्ण होते ही हम जल्द ही उन्हें भी नगरवासियों को समर्पित करेंगे। उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में शहर के विकास सम्बन्धी हर आवश्यक कार्य किये जायेंगे ताकि अवाम को हर प्रकार की सुविधा प्राप्त हो। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हम निर्माणाधीन कार्यों की गुणवत्ता पर भी खास ध्यान रखें हुये हैं तथा जिन क्षेत्रों में जो कार्य अति आवश्यक हैं उन्हें वरीयातक्रम में पूर्ण कराया जा रहा है। कहा कि इस प्रकार हम कोपागंज के विकास की गति को तीव्र करने तथा नगरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु निरान्त आवश्यक कदम उठा रहे हैं।

जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं आर्द्रभूमि समिति की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न



संवाददाता

मऊ।मुख्य विकास अधिकारी विवेक कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं आर्द्रभूमि समिति की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में नदियों को प्रदूषण से मुक्त रखने, ठोस एवं तरल

अपशिष्ट प्रबंधन, वृक्षारोपण, जैविक खेती तथा स्वच्छता से संबंधित कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई। बैठक के दौरान प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) द्वारा जनपद में विभिन्न विभागों द्वारा कराए गए वृक्षारोपण की जियो-टैगिंग की प्रगति से मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया गया। माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा

जियो-टैगिंग की प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के अंदर शत-प्रतिशत जियो-टैगिंग पूर्ण कराने के निर्देश दिए।मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि वर्ष 2026-27 के वृक्षारोपण कार्य

हेतु अनिवार्य रूप से पूर्णता प्रमाण पत्र वन विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने वृक्षारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की सुरक्षा एवं नियमित देखभाल पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में जनपद में प्रवाहित तमसा, सरयू एवं अन्य नदियों को प्रदूषण से बचाने, धार्मिक आयोजनों के उपरांत मूर्तियों के नदी में सीधे विसर्जन को रोकने तथा इसके लिए कृत्रिम जलाशयों/विसर्जन कुंडों की व्यवस्था करने पर भी चर्चा की गई। नदियों में ठोस एवं द्रव्य पदार्थों का प्रवाह रोकने, नालों के उचित प्रबंधन तथा स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण, नदियों के किनारे जैविक खेती को बढ़ावा देने, नदी तटों पर भूमि अतिक्रमण की स्थिति, ग्राम पंचायतों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक एवं बायोमैडिकल व इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट के उचित

निस्तारण आदि की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराते हुए प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। साथ ही राज्य स्वच्छ गांा मिशन के अंतर्गत 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2026 तक तमसा नदी के समीप स्थित विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में स्वच्छता ही सेवा अभियान तथा 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक घाघरा नदी क्षेत्र के समीप विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किए जाने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे तथा मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विभागवार निर्धारित कार्यों के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।

यूजीसी कानून के विरोध में गरजे अधिवक्ता, काले कानून का पुतला फूँका



संवाददाता

मुहम्मदाबाद गोहना (मऊ)। यूजीसी से संबंधित कानूनों के प्रावधानों के विरोध और आरक्षण व्यवस्था में आर्थिक आधार को प्राथमिकता देने की मांग को लेकर शुक्रवार को तहसील परिसर में अधिवक्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। आक्रोशित अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुए विरोध स्वरूप काले कानून का

प्रतीकात्मक पुतला दहन किया। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी अर्चना अग्निहोत्री को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने कहा कि यूजीसी से जुड़े कानूनों के प्रावधानों पर सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए। उनका कहना था कि आरक्षण का लाभ वास्तविक रूप से जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक पहुंचना चाहिए। इसके लिए आरक्षण

व्यवस्था में आर्थिक आधार को प्रमुखता दिए जाने की आवश्यकता है। वरिष्ठ अधिवक्ता महेंद्र राय ने कहा कि यूजीसी से संबंधित प्रावधानों को लेकर अधिवक्ता समाज में असंतोष है। सरकार को इन प्रावधानों पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि अधिवक्ता समाज हमेशा जनहित और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करता रहा है और आगे भी करता रहेगा। इस दौरान विनोद सिंह, अनुराग श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, संतोष कुमार श्रीवास्तव, प्रभाकर राय, प्रदीप कुमार पांडेय, विनय कुमार श्रीवास्तव, इनम खान, संजय तिवारी, हरेंद्र यादव, रामाश्रय, धर्मवीर, छोटेलाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

यूजीसी रोलबैक,समान आरक्षण और सामान्य वर्ग आयोग की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट में गरजा सवर्ण एकता मंच

❖ राष्ट्रपति के नाम डीएम को सौंपा पांच सूत्री मांग-पत्र, आरक्षण व्यवस्था की व्यापक समीक्षा और श्वद्धर में सुधार की उठी आवाज

संवाददाता

मऊ।आरक्षण व्यवस्था की व्यापक समीक्षा,यूजीसी के वर्ष 2026 के नवीन प्रावधानों की समीक्षा एवं वापसी,एससी/एसटी अधिनियम के कथित दुरुपयोग पर प्रभावी रोक, सवर्ण/सामान्य वर्ग आयोग के गठन तथा श्वद्धर व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर शुक्रवार को मऊ कलेक्ट्रेट परिसर स्थित धरना स्थल पर सवर्ण एकता मंच के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। सुबह 10 बजे शुरू हुआ धरना शाम चार बजे तक चला। उमाशंकर उग्र की संरक्षता और



ऋषिकेश पांडे की अध्यक्षता को कार्यक्रम का संचालन संतोष सिंह ने किया,जबकि विजय प्रताप सिंह संयोजक रहे। धरना-प्रदर्शन के बाद मंच की ओर से महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित पांच सूत्री मांग-पत्र जिलाधिकारी मऊ के माध्यम से प्रेषित किया गया। मांग-पत्र में स्पष्ट किया गया कि आंदोलन का उद्देश्य

किसी वर्ग के अधिकारों का विरोध करना नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के लिए समान अवसर,पारदर्शी व्यवस्था,संवैधानिक समानता और सामाजिक समरस्ता सुनिश्चित करना है।

आर्थिक आधार पर आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा की मांग

मांग-पत्र में आरक्षण व्यवस्था की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक

प्रभावशीलता की व्यापक और समयबद्ध समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय आयोग गठित करने की मांग की गई। मंच ने कहा कि जरूरतमंद लोगों तक सरकारी अवसरों का वास्तविक लाभ पहुंचाने के लिए आर्थिक स्थिति, पारिवारिक आय, संपत्ति तथा सामाजिक-शैक्षणिक पिछड़ेपन जैसे व्यावहारिक मानकों को भी समीक्षा का आधार बनाया जाना चाहिए।यूजीसी के नए प्रावधानों की निष्पक्ष समीक्षा की मांग मंच ने वर्ष 2026 में यूजीसी से संबंधित नवीन नियमों एवं प्रावधानों की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष समीक्षा की मांग करते हुए कहा कि शिक्षण संस्थानों में प्रवेश, नियुक्ति और शैक्षणिक अवसरों में पारदर्शिता,योग्यता तथा समान अवसर सुनिश्चित होना चाहिए। किसी भी प्रावधान से यदि किसी वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ असमानता उत्पन्न होती है तो उसमें आवश्यक संशोधन अथवा उसे निरस्त करने की मांग की गई।



बर्थडे स्पेशल : कसम से फेम अभिनेत्री प्राची सिंह, टेलीविजन से बॉलीवुड तक बनाई खास पहचान

हिंदी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक प्राची देसाई का जन्म 12 सितंबर 1988 को गुजरात के सूरत में हुआ था। उनके पिता का नाम निरंजन देसाई है, जो कि पेशे से कॉलेज प्रोफेसर हैं और मां का नाम अमिता देसाई है। वहीं, उनकी एक बहन भी है, जिनका नाम ईशा देसाई है। प्राची ने अपनी स्कूलिंग महाराष्ट्र के पंचगनी के सेंट जोसेफ कॉन्वेंट से पूरी की। इसके बाद उन्होंने पुणे के सिंहगढ़ कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की। प्राची को शुरू से ही एक्टिंग में रुचि थी। इसलिए उन्होंने पढ़ाई पूरी करने के बाद एक्टिंग की ओर रुख किया। वर्ष 2006 में प्राची देसाई ने एकता कपूर के लोकप्रिय टीवी शो %कसम से% अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें उनके अपोजिट राम कपूर थे। इस सीरियल में उन्होंने बानी दीक्षित वालिया का मुख्य किरदार निभाया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया और उन्हें घर-घर में जबरदस्त पहचान मिली। टेलीविजन इंडस्ट्री में जबरदस्त पहचान बनाने के बाद अभिनेत्री ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू वर्ष 2008 में अभिषेक कपूर के द्वारा डायरेक्ट की गई फिल्म %रॉक ऑन% से किया। इस फिल्म में उनके साथ फरहान अख्तर, अर्जुन रामपाल, पूरब कोहली और शहाना गोस्वामी भी मुख्य किरदार में थे। पहली फिल्म में ही उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया और उन्होंने टेलीविजन इंडस्ट्री से बॉलीवुड में सफल पहचान बनाई। अपनी डेब्यू फिल्म में शानदार परफॉर्मेंस के लिए अभिनेत्री को बेस्ट फीमेल डेब्यू के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया। इसके बाद अभिनेत्री ने अन्य कई फिल्मों में काम किया, जिसमें %लाइफ पार्टनर%, %बन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई%, %तेरी मेरी कहानी%, %बोल बच्चन%, %आई, मी और हम%, %अजहर%, %फरिसिक% आदि शामिल हैं। वर्ष 2010 में आई फिल्म %बन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई% में एक्ट्रेस अजय देवगन, इमरान हाशमी और कंगना रनौत जैसे बड़े कलाकाओं के साथ पर्दे पर नजर आईं। इस क्राइम ड्रामा फिल्म में मुमताज का किरदार निभाने के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का आईआईएफए पुरस्कार मिला। वहीं, रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी कॉमेडी फिल्म %बोल बच्चन% उनके करियर की सबसे बड़ी व्यावसायिक सफलताओं में से एक रही। इसके अतिरिक्त, प्राची ने वर्ष 2007 में सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो %झलक दिखला जा



महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं, प्रीति जिंटा ने खोला पेशेवर और पर्सनल लाइफ के बीच बैलेंस का राज

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने एक्टिंग के साथ-साथ अपनी जिंदगी के अलग-अलग किरदारों को भी बखूबी निभाया है। उन्होंने शादी और मां बनने के बाद फिल्मों से दूरी बनाई, लेकिन इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के साथ-साथ बिजनेस पर भी ध्यान दिया। अब लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी कर चुकी प्रीति ने अपनी जिंदगी के इस सफर और मां होने के साथ प्रोफेशनल जिम्मेदारियां निभाने को लेकर आईएनएस से बात की। उन्होंने कहा कि करियर और परिवार को एक साथ संभालना आसान नहीं है, लेकिन सही सपोर्ट सिस्टम और सुविधाएं हों तो यह काम काफी हद तक आसान हो जाता है। आईएनएस से बातचीत में %सोल्वर% एक्ट्रेस ने कहा कि महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। उनके मुताबिक, महिलाओं के लिए घर, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां संभालना कोई नई बात नहीं है। प्रीति ने अपनी मां का उदाहरण देते हुए कहा कि भले ही उनकी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन घर और परिवार की देखभाल करना अपने आप में किसी फुल टाइम जॉब से कम नहीं था। आईएनएस से बात करते हुए प्रीति ने कहा, %महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। भले ही मेरी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन उनका काम मेरे पिता, तीन बच्चों, घर और न जाने कितनी चीजों की देखभाल करना था। अब महिलाएं सुपर वुमन बन गई हैं, क्योंकि बहुत सी महिलाएं काम करती हैं और घर आने के बाद भी बच्चों की देखभाल करती हैं।% एक्ट्रेस ने कहा, %काम और मदरहुड को एक साथ संभालना चुनौती भरा जरूर है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं, क्योंकि मेरे साथ ऐसे लोगों का सपोर्ट है, जिनकी मदद से मैं अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिम्मेदारियों को मैनेज कर पाती हूं। अगर मुझे मदद नहीं मिलती, तो मेरे लिए अपने काम के लिए बाहर आना भी मुश्किल होता।% उन्होंने आगे कहा, %अगर आप जिंदगी में अलग-अलग चीजें चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग समय पर चीजों को प्राथमिकता देनी पड़ती है। जाहिर तौर पर यह आसान नहीं है, लेकिन अगर आपके पास साधन हैं तो यह इतना मुश्किल भी नहीं है।% प्रीति ने कहा, %जो महिलाएं बिना किसी मदद के नौकरी के साथ घर और बच्चों की जिम्मेदारी संभालती हैं, उनके लिए मेरे दिल से बेहद सम्मान है। हर महिला की परिस्थितियां अलग होती हैं और जिन महिलाओं के पास मदद के ज्यादा साधन नहीं हैं

बर्थडे पर कोई बड़ा जश्न नहीं करेंगी संयुक्ता, सादगी से मनाएंगी अपना खास दिन



अभिनेत्री संयुक्ता शुकवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे इसे बहुत ही सादगी और अपनी मनपसंद चीजों के साथ मनाएंगी। बिम्बिसार, भीमला नायक, वाथी और विरुपाक्ष जैसी कई हिट फिल्मों में शानदार अभिनय दे चुकी अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने जन्मदिन की शुरुआत सुबह-सुबह कलरी क्लास के साथ करेंगी। उन्होंने कहा, “इस साल, मैं अपना जन्मदिन बहुत साधारण तरीके और अपने करीबियों के साथ मनाऊंगी। मैं अपनी कलारी क्लास के लिए जल्दी उठूंगी, उसके बाद साधना और पूजा करूंगी और शाम को भी अपना रूटीन जारी रखूंगी।” अभिनेत्री ने बताया कि उनके जन्मदिन मनाने का मतलब बड़े-बड़े प्लान करना नहीं बल्कि खुद के साथ रहना और वो काम करना है, जिससे उन्हें शांति मिलती है। उन्होंने कहा, “मैंने महसूस किया है कि मुझे अपनी खुद की दुनिया में रहना और वो चीजें करना बहुत पसंद है जिससे मुझे सुकून मिलता है। इसलिए बड़े-बड़े प्लान बनाने के बजाय, मैं इस दिन जमीन से जुड़े रहकर और हर पल को जीकर बिताना चाहती हूं। मेरे लिए इस साल अपना जन्मदिन मनाने का यही सबसे अच्छा तरीका है।” संयुक्ता मुख्य रूप से मलयालम और तेलुगु फिल्मों में अभिनय करती हैं। उन्होंने साल 2016 की मलयालम फिल्म %पॉपकॉर्न% से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, 2018 की फिल्म %थीवंडी% से बड़ी पहचान मिली थी। उन्होंने मलयालम और तेलुगु सिनेमा में कई व्यावसायिक रूप से सफल फिल्मों में काम किया है, जिनमें %भीमला नायक% (2022), %बिम्बिसार% (2022), %वाथी% (2023) और %विरुपाक्षा% (2023) शामिल हैं। विरुपाक्ष के लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का संतोषम फिल्म अवॉर्ड मिला। उन्हें आखिरी बार राम अंबारजू की डायरेक्ट की हुई फिल्म नारी नारी नादुमा मुगुरी में देखा गया था। अभिनेत्री जल्दी ही फिल्म %द ब्लैक गोल्ड% में नजर आएंगी। इस फिल्म में संयुक्ता बिल्कुल नए और आक्रामक (रूथलेस) एक्शन अवतार में नजर आएंगी। उन्होंने बिना बॉडी डबल के खतरनाक एक्शन सीन किए हैं। संयुक्ता के अलावा फिल्म में मुरली शर्मा, राव रमेश, नास्सर और रामकी जैसे कई जाने-माने कलाकार हैं।

तनाव और अनिद्रा से हैं परेशान; रोज 10 मिनट करें श्वासन, मिलेगा गहरा सुकून



आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में काम का प्रेशर और घंटों मोबाइल-लैपटॉप में व्यस्त रहने से शरीर और मन दोनों ही थक जाता है। ऐसे में योग एक अद्भुत और असरदार आसन है %श्वासन%। यह सिर्फ शरीर की सारी थकान को दूर कर, नई ऊर्जा भरने का सबसे अच्छा साधन है। यह एक विश्राम की मुद्रा है, जिसमें शरीर को बिल्कुल ढीला छोड़ दिया जाता है। %शव% यानी मृत शरीर के समान लेटना। देखने में यह सबसे आसान मुद्रा लगती है, लेकिन असल में यह सबसे कठिन आसनों में से एक माना जाता है क्योंकि इस आसन को करने के दौरान शरीर को पूरी तरह ढीला छोड़कर मन को शांत करना आसान नहीं है। श्वासन सिर्फ आराम करने का तरीका नहीं है बल्कि यह शरीर की सारी थकान को दूर कर, नई ऊर्जा भरने का सबसे अच्छा साधन है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने श्वासन के लाभ के बारे में बताया है। उनके अनुसार, यह आसन तनाव और चिंता को करने में मदद करता है। नींद की गुणवत्ता को बेहतर बनाता है और अनिद्रा की समस्या को दूर करता है। साथ ही, यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित कर हृदय के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। श्वासन मस्तिष्क को शांत कर एकाग्रता बढ़ाता है। इसके नियमित अभ्यास से मांसपेशियों में तनाव कम होता है और शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। यह योग का सबसे सरल लेकिन प्रभावी आसन माना जाता है, जो तनाव, चिंता और थकान को कम करता है। यह शरीर की कोशिकाओं और तंत्रिका तंत्र को गहरी विश्रान्ति देकर नई ऊर्जा प्रदान करता है। श्वासन का नियमित अभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी प्रदान करता है। श्वासन भले ही सरल आसन है लेकिन, एक्सपर्ट इसके अभ्यास में भी सावधानियां बरतने की भी सलाह देते हैं। श्वासन के दौरान नींद में न जाएं, क्योंकि इसका उद्देश्य सचेतन विश्राम है।

रश्मिका मंदाना ने हाइव इंडिया से मिलाया हाथ, बोलीं- हर लड़की को अपने सपने को एक मौका देना चाहिए



मुकाम तक पहुंचा सकता है जिसकी उन्होंने शायद कभी कल्पना भी न की हो। हर सफर किसी मौके से शुरू होता है और उस मौके को स्वीकार करने के लिए हिम्मत चाहिए होती है। जब मैं अपने सफर को पीछे मुड़कर देखती हूं, तो एहसास होता है कि खुद पर भरोसा बनाए रखना, लगातार मेहनत करना और उन संभावनाओं को हां कहना कितना जरूरी होता है, जो आपको आगे ले जा सकती हैं।% रश्मिका ने कहा, %मुझे लगता है कि हाइव इंडिया के साथ यह साझेदारी भारत में अपनी तरह का एक अलग मौका है। हाइव पूरी दुनिया में बड़े कलाकारों और ग्लोबल आवाजों को तैयार करने के लिए जाना जाता है, और अब भारत में आकर यहां के युवा टैलेंट को तलाशना वाकई खास बात है। हाइव इंडिया के ऑडिशन में सिंगिंग, डांस, रैप और दूसरे परफॉर्मेंस से जुड़े हुनर दिखाने का मौका दिया जा रहा है।% रश्मिका ने देश की उन लड़कियों से इस मौके का फायदा उठाने की अपील की है जो कलाकार, परफॉर्मर या रोल मॉडल बनने का सपना देखती हैं।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने का सफर उनके लिए आसान नहीं रहा। करियर की शुरुआत से लेकर लगातार बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने तक रश्मिका ने कई ऐसे पल देखे हैं, जहां खुद पर भरोसा रखना बेहद जरूरी था। अब उन्हें भारत के नए टैलेंट को तलाशने वाली एक बड़ी पहल से जुड़ने का मौका मिला है। इस पर रश्मिका ने कहा कि वह इसे सिर्फ एक काम नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों से जुड़ने का जरिया मानती हैं। रश्मिका मंदाना अब हाइव इंडिया के ऑडिशन से जुड़ गई हैं। इस पहल का मकसद भारत के अलग-अलग हिस्सों से टैलेंट को तलाशना, उसे निखारना और आगे बढ़ने का मौका देना है। हाइव वही कंपनी है, जो साउथ कोरिया के कई बड़े के-पॉप कलाकारों और ग्रुप्स के साथ काम करने के लिए दुनियाभर में जानी जाती है। अब भारत में इस ऑडिशन को लेकर काफी उत्सुकता है। हाइव इंडिया ने अपने टैलेंट हंट का दायरा भी बढ़ाया है और इस बार देश के कई नए शहरों में ऑडिशन आयोजित किए जा रहे हैं। इस पहल से जुड़कर रश्मिका काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने कहा, %यह भारत के युवाओं के लिए ऐसा मौका है, जो उन्हें उस

